

प्रेषक,

विभा पुरी दास,
प्रमुख सचिव एवं आयुक्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,
अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, पौड़ी,
देहरादून, उत्तरकाशी, हरिद्वार।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 07 जनवरी, 2008

विषय:- पशुचिकित्सालय एवं पशु सेवा केन्द्रों के भवनों के निर्माण हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या-1344/नि0/भ0नि0/सामान्य/2007-08 दिनांक 31 अक्टूबर, 2007 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में पशुचिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण योजनान्तर्गत ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग द्वारा गठित आगणनों के सापेक्ष रूपया 147.20 लाख (रुपया एक करोड़ सैतालीस लाख बीस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के संलग्नानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन पर प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (2) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति में नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (3) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (5) एक मुश्त प्राविधान में कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (6) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि से मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

- (7) कार्य कराने से पूर्व स्थल की भली-भांति निरीक्षण उच्चाधिकारियों एवं भुगर्वदेत्ता के साथ अवश्य करा लें एवं निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप ही कार्य किया जाये।
- (8) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है उसी मद पर व्यय किया जाय तथा एक मद की राशि दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (9) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- (10) जी०पी०डब्ल्यू० फार्म-9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- (11) स्वीकृत निर्माण कार्यों को तत्काल प्रारम्भ किया जाय ताकि आगणनों को पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े, निर्माण कार्य विलम्ब से प्रारम्भ करने के परिणामस्वरूप लागत में वृद्धि होती है, तो शासन स्तर से आगणनों को पुनरीक्षित नहीं किया जायेगा। निर्माण कार्यों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति नियमित रूप से शासन को उपलब्ध करायी जाय।

3- स्वीकृत धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-4403-पशुपालन पर पूंजीगत परिव्यय-00-101-पशुचिकित्सा सम्बन्धी सेवाएँ तथा पशु स्वास्थ्य-9101-पशुचिकित्सालयों एवं पशु सेवा केन्द्रों के भवन निर्माण-24-वृहद निर्माण के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-348(P)/XXVII/2007 दिनांक 31 दिसम्बर, 2007 के क्रम में उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार

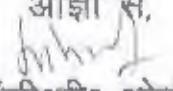
भवदीय,

(विभा पुरी दास)

प्रमुख सचिव एवं आयुक्त।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, सहारनपुर रोड, देहरादून।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड, गोपेश्वर, चमोली के पत्र संख्या-1344/नि0/भ0नि0/सामान्य/2007-08 दिनांक 31 अक्टूबर, 2007 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
7. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. मुख्य अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा विभाग, उत्तराखण्ड।
9. मुख्य परियोजना प्रबन्धक, पेयजल निर्माण निगम, उत्तराखण्ड।
10. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
- ✓ 11. निदेशक, एन0आई0सी0, देहरादून।
12. वित्त, अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।

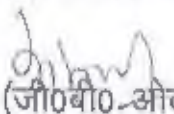
जनवरी, 2008

शासनादेश संख्या- 609 / XV-1 / 1(38) / 2007 दिनांक 07 दिसम्बर, 2007 का संलग्नक

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	प्रस्तावित कार्य का नाम	टी०ए०सी० द्वारा अनुमोदित धनराशि	जारी वित्तीय स्वीकृति	कार्यदायी संस्था
1.	पशुचिकित्सालय, बग्वाली पोखर, अल्मोड़ा का निर्माण	11.00	11.00	ग्रा०अ०से०
2.	पशु सेवा केन्द्र, बमराडी, बागेश्वर का निर्माण	6.00	6.00	ग्रा०अ०से०
3.	पशुचिकित्सालय, खेतार, पिथौरागढ़ का निर्माण	9.05	9.05	ग्रा०अ०से०
4.	पशुचिकित्सालय, शीशमबाड़ा, देहरादून की छाहरदीवारी का निर्माण	5.84	5.84	ग्रा०अ०से०
	पशुचिकित्सालय, अजबपुर कलों, देहरादून का जीर्णोद्धार	4.32	4.32	पेयजल निगम
	पशुचिकित्सालय, रानीपोखरी, देहरादून में आवासीय/अनावासीय भवनों के निर्माण	34.00	34.00	ग्रा०अ०से०
5.	पशुचिकित्सालय, पौड़ी की दीवारीबन्दी	6.40	6.40	ग्रा०अ०से०
6.	पशुचिकित्सालय, मुरैटकसौड़, उत्तरकाशी के आवासीय/अनावासीय भवन निर्माण	42.31	42.31	ग्रा०अ०से०
7.	पशुचिकित्सालय, तेलीवाला, हरिद्वार का निर्माण	17.97	17.97	ग्रा०अ०से०
	पशु सेवा केन्द्र, फेरुपुर, हरिद्वार का निर्माण	10.31	10.31	ग्रा०अ०से०
कुल योग :-		147.20	147.20	

(रुपया एक करोड़ सैंतालीस लाख बीस हजार मात्र)


(जी०बी०-ओली)
संयुक्त सचिव।